‘सनराइज पीस मिशन’ अवार्ड से सम्मानित ब्रह्माकुमार गंगाधर

नागपुर। ‘सनराईस पीस मिशन’ के अध्यक्ष डॉ.गोविंदराम मुरारका ने कहा कि वर्तमान जीवन शैली में आध्यात्मिकता का समावेश करना बहुत ही आवश्यक है। जहां चारों ओर अनिश्चतता, भय व असुरक्षा का बादल मंडराता दिखाई पड़ता है।

उन्होंने कहा कि ओम शांति मीडिया पत्रिका में प्रकाशित सामग्री जीवन में सूकुन पैदा करती है। उन्होंने कहा कि मैं इस पत्रिका का नियमित पाठक हूँ। इस पत्रिका को पढ़ने से मुझे कई प्रश्नों का हल मिल जाता है। साथ ही एक नयी चिंतन, नये विचार उत्पन्न होने लगते हैं।

इसमें प्रकाशित लेख उत्कृष्ट जीवन जीने के विचार मिलते हैं। वर्तमान समय जहां चारो ओर भाग-दौड़ भरी जीवन की राहों में यह मानसिक धरातल में सकारात्मक उर्जा पैदा करने का संकल्प मिल जाता है।

उन्होंने कहा कि यह पत्रिका घर के सारे सदस्यों के लिए खुशियों की खुराक परोसता है। सम्बन्धों में समरसता, स्वमान तथा सम्मान जैसे मूल्यों को बढ़ावा देता है। इसमें कोई भी गलत बात लिखी नहीं होती है और न ही इसमें कोई अश्लील बात होती है और न ही किसी प्रकार का प्रचार होता है। लेकिन फिर भी इस पत्रिका की मांग बढ़ती जा रही है। यह एक प्योर संकल्प का पुंज लिये हुए है। जिसे पढ़ने पर जीवन जीने के तरीके, अंदाज में बदलाव आता है। देखने का नजरिया, साकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण होता है। जब मैं मीडिया पढ़ता हूँ तो विचारों एवं खुशी का स्पंदन महसूस होता है। मैंने मीडिया जगत में ऐसी उत्कृष्ट विचार की सामग्री और किसी भी पत्रिका में नहीं देखी।

आध्यात्मिक लेख, रंगीन चित्रों से सुसजित यह मीडिया वास्तव में मन का भोजन है। जो मुझे लगता है कि सभी को इसकी जरूरत है। अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू, ब्रह्माकुमारीज के मुख पृष्ठ यह समाचार कम पत्रिका जीवन में नया संचार उत्पन करता तथा देश-विदेश के ईश्वरीय सेवाओं का समाचार घर बैठे ही मिल जाता है।

परमात्मा के इस धरा पर दिव्य कर्त्तव्यों के कार्य-कलाप मीडिया से ही प्राप्त होता है। मैंने इस पत्रिका से जीवन में सुकुन पाया, शांति व ऊर्जा प्राप्त करता रहा हूँ। इसलिए मैंने 2011 वर्ष में ‘सनराईस पीस मिशन का अवार्ड’ आध्यात्मिक सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए ‘ओम शांति मीडिया’ के संपादक ब्रह्माकुमार गंगाधर का चयन किया। इस पत्रिका में प्रकाशित लेख पढ़ने से मनोबल में वृद्धि होती है साथ ही व्यवहार में आने वाली कठिनाईयों का समाधान सहजता से निकालने में मदद मिलती है।